<u>सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण आख्या</u>
जनपद–बाँदा
दिनांक 25–29 दिसम्बर, 2017

राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई से तीन सदस्यीय भ्रमण टीम श्री राम सुरेश चौरसिया, परमार्शदाता, श्री सौरभ तिवारी, परामर्शदाता एवं श्री परम हंस कुशवाहा, कार्यक्रम समन्वयक द्वारा चित्रकूट मण्डल के जनपद बाँदा की विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों का सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण दिनांक 25 से 29 दिसम्बर 2017 को किया गया है।

भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी बॉदा के साथ बैठक करके निम्न महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर फीडबैक दिया गया जिस पर जनपद स्तर से सुधारात्मक कायवाही किया जाना अपेक्षित है–

आख्या	अपेक्षित कार्यवाही	दायित्व
9 माह बीत जाने के पश्चात भी जे0एस0एस0के0 के अन्तर्गत आवंटित बजट से औषधियों का क्रय नही किया जाता है जिसके कारण उपकेन्द्रो एवं ब्लाक स्तरीय चिकित्सा इकाईयों पर औषधियों की उपलब्धता नही है। ए.सी.एम.ओ. स्टोर द्वारा अवगत कराया गया कि माह नवम्बर में क्रय आदेश निर्गत किये गये जिसकी आपूर्ति अभी तक की गयी है। उक्त क्रय आदेश में भी ई.डी.एल. सूची में इंगित लगभग 28 औषधियों सम्मिलित नहीं है।	–औषधियों की निर्बाध आपूर्ति हेतु बजट प्राप्ति के पश्चात शीघ्र औषधियों के क्रय हेतु कार्यवाही किया जाना आवश्यक है। –आपूर्ति एजेन्सी से नियमित फालोअप की आवश्यकता है एवं शेष औषधियों के क्रयादेश यथाशीघ्र निर्गत करने की आवश्यकता है। –प्रसव केन्द्रों पर औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु वैकल्पिक स्तर से क्रय (लोकल परचेज) की आवश्यकता है।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं ए.सी.एम. ओ. स्टोर
राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत आर0बी0एस0के0 कार्ड (विद्यालय हेतु) टीम के पास उपलब्ध नहीं है। जबकि लिपिक ने अवगत कराया कि कार्ड की प्रिटिंग करायी जा चुकी है। भ्रमण टीम द्वारा कार्ड मांगे जाने पर उपलब्ध नहीं कराया गया है। हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट कालेजों में आई0एफ0ए0 उपलब्ध नही कराया गया है। आर.बी.एस.के वाहन का अनुबंध रु0 23800/ प्रति वाहन प्रति माह किया गया है लेकिन भुगतान सर्विस टैक्स सहित रु0 27370/ किया जा रहा है। जिसका उल्लेख अनुबंध में नहीं किया गया है। पिछले वित्तीय वर्ष अनुबंधित वाहन का उपयोग वर्तमान वित्तीय वर्ष किया जा रहा है जिसका अनुबंध नवीनीकरण, दरों में संशोधन पर डी.एच.एस. का अनुमोदन प्राप्त नहीं है।	आर.बी.एस.के कार्ड यथा शीघ्र उपलब्ध कराये जाए। जिला विद्यालय निरीक्षक से सम्पर्क कर विद्यालयों हेतु आई.एफ.ए. की उपलब्धता सुनिश्चित करायें। वाहन के पुनर्अनुबंध हेतु आवश्यक कार्यवाही अपेक्षित है।	नोडल अधिकारी–आर. बी.एस.के.
बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेन्ट हेतु अनुबन्धित सेवा प्रदाता द्वारा पर्याप्त बायो मेंडिकल वेस्ट मैनेजमेन्ट कन्ज्यूमेबल्स को पर्याप्त उपलब्धता नही है। बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंन्ट का निस्तारण दैनिक आधार पर नही किया जा रहा है। पी.एच.सी प्रभारी चिकित्सा	अनुबंधित सेवा प्रदाता से आवश्यक कन्ज्यूमेबल्स की आपूर्ति, नियमित रुप से निस्तारण हेतु कार्यवाही की जायें। सेवा प्रदाता द्वारा अनुबंध के अनुसार सामग्री की आपूर्ति एवं सेवा न प्रदान किये जाने हेतु	मुख्य चिकित्सा अधिकारी।

अधिकारी तिन्दवारी ने अवगत कराया कि बायोमेडिकल वेस्ट निस्तारण वाहन 10–15 दिन में आता है। चिकित्सा इकाईयों पर बायोमेडिकल वेस्ट लागबुक, कन्ज्यूमेबल्स आपूर्ति रिसीविंग रजिस्टर नहीं बनाया गया है जिसके कारण सेवा प्रदाता के सेवाओं का मूल्यांकन/आंगणन नहीं किया जा सका।	यथोचित धनराशि की कटौती किये जाने की आवश्यकता है। उक्त कार्य के अनुश्रवण हेतु एक नोडल अधिकारी नामित किये जाने की आवश्यकता है।	
जे0एस0वाई0 के अन्तर्गत 15–20 प्रतिशत लाभार्थियों का भुगतान नही किया गया है।	कैम्प लगाकर भुगतान कराये जाने की आवश्यकता है।	ए.सी.एम.ओ.–आर.सी.एच./डी.सी.पी.एम.
आशाओ का भुगतान जे0एस0वाई0 के अतिरिक्त अन्य मदों में नही किया गया है। नसबन्दी के भुगतान (लाभार्थियों एवं प्रेरक) का पिछले वर्ष से लम्बित है।	लम्बित भुगतान हेतु कैम्प लगाकर डाक्यूमेन्ट पूर्ण कराकर भुगतान हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाये।	ए.सी.एम.ओ.–आर.सी.एच./डी.सी.पी.एम.
सहयोगात्मक पर्यवेक्षण (Supportive Supervision) के अन्तर्गत जनपद में 10 वाहन अनुबंधित है। वित्तीय वर्ष 2016–17 में भारत सरकार द्वारा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की नवीन चेकलिस्ट के प्रयोग हेतु निर्देश दिये गये थे। जनपद बांदा में तैनात किसी भी अधिकारी/कर्मचारी को तद्दिनांक तक नवीन चेकलिस्ट की जानकारी तक नही है।	चेकलिस्ट के विषय में जनपद स्तर पर ओरियेन्टेशन एवं संबंधित अधिकारियों के भ्रमण चेकलिस्ट का संकलन एवं विश्लेषण जनपद एवं ब्लाक स्तर पर किये जाने की आवश्यकता है।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी।
राज्य स्तर की टीम द्वारा उपकेन्द्र पनवारा में भ्रमण दौरान जानकारी प्राप्त हुयी कि वित्तीय वर्ष 2015–16 तक के समस्त भुगतान लम्बित है। श्री गौरव द्विवेद्वी, ब्लाक लेखा प्रबंधक, पी0एच0सी0 बहेरी द्वारा समस्त भुगतान लम्बित किया जाता है। कई अधिकारियों द्वारा श्री गौरव की शिकायत करने उपरांत भी उसके द्वारा कोई भुगतान नही किया गया। उक्त के क्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी ने उनके विरुद्ध कार्यवाही में असमर्थता व्यक्त की गयी।	श्री गौरव द्विवेद्वी, ब्लाक लेखा प्रबंधक के कार्यो की समीक्षा करते हुए जिला स्वास्थ्य समिति बैठक में निर्णय लिये जाने की आवश्यकता है। उक्त के संबंध में जिलाधिकारी से वार्ता के दौरान उन्होंने अवगत कराया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी को श्री गौरव द्विवेदी के संविदा समाप्ति हेतु निदेशित किया गया है किन्तु उनके स्तर से अपेक्षित कार्यवाही नहीं की जा रही है।	अध्यक्ष, जिला स्वास्थ्य समिति/मुख्य चिकित्सा अधिकारी।
अरबन सी0एच0सी0 में प्रसव नही कराया जा रहा है। जिसके कारण स्टाफ नर्स की तैनाती की कोई उपयोगिता नही है। चिकित्सक नियमित क्रम से नहीं आती है। डिस्ट्रिक्ट अर्बन कोआर्डिनेटर द्वारा चिकित्सा इकाई पर भ्रमण किया जाता है किन्तु कोई चेकलिस्ट एवं लिखित फीडबैक ए.सी.एम.ओ. अर्बन से साझा नहीं की जाती है।	अरबन सी0एच0सी0 पर आवश्यक उपकरण एवं औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए प्रसव प्रारम्भ कराये जाने की आवश्यकता है। डिस्ट्रिक्ट अर्बन कोआर्डिनेटर द्वारा विशेष प्रयास कर फीडबैक शेयरिंग एवं चिकित्सा इकाईयों को मानकानुसार सुदृढ़ीकरण कराये जाने की आवश्यकता है।	ए.सी.एम.ओ.–एन.यू.एच.एम/ डिस्ट्रिक्ट अर्बन कोआर्डिनेटर

सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की इकाईवार आख्या निम्नवत् है–

- **जिला महिला चिकित्सालय बाँदा–(एफ0आर0यू0)**

अनुभाग/अवलोकन बिन्दु	टीम द्वारा कृत्य कार्यवाही/सुझाव	दायित्व
मानव संसाधन – जिला महिला चिकित्सालय में डा0 उषा सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका एवं 06 चिकित्सक, 07 स्टाफ नर्स 04 फामेसिस्ट, 04 ए0एन0एम एवं 01 ए0एच0 परामर्शदाता तैनात है।	भ्रमण टीम द्वारा उनको भ्रमण पर आने का उददे्श्य बताया गया।	
मातृत्व स्वास्थ्य–जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों को प्रदान किये जाने वाली की धनराशि का वितरण अद्यतन नहीं था।	प्रसव के उपरान्त यथाशीघ्र लाभार्थी के खाते में पी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से धनराशि अवमुक्त किये जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका/चिकित्सक
जिला महिला अस्पताल में वित्तीय वर्ष 2014–15, 2015–16 तक कोई भी सीजेरियन प्रसव नहीं कराया गया है जिसका कारण निश्चेतक चिकित्सक व सर्जन चिकित्सक का न होना मुख्य चिकित्सिका अधीक्षिका द्वारा बताया गया। वित्तीय वर्ष 2016–17 एवं 2017–18 में जिला महिला अस्पताल में सीजेरियन प्रसव की सेवा प्रदान किये जाने हेतु आन काल व्यवस्था के तहत प्राइवेट/सरकारी डॉक्टरो के पैनल का मुख्य चिकित्सा अधिकारी के माध्यम से सीजेरियन प्रसव की सेवा सुनिश्चित की गयी किन्तु माह नवम्बर 2017 में कोई भी सीजेरियन प्रसव नही किया गया क्योकि चिकित्सका अधीक्षिका ही मात्र गायनीकोलॉजीस्ट है और वो अवकाश पर थी।	स्त्री एवं प्रसूत रोग विशेषज्ञ की आवश्यकता है।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी
जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को दिये जा रहे भोजन एव ंनाश्ते का विवरण निर्धारित प्रारुप/अभिलेख के रुप में उपलब्ध नहीं था।	निर्धारित प्रारुप में अभिलेख तैयार कराये जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका
रोगियों से वार्ता – ओ0टी0 के बाहर एक रोगी स्ट्रेचर पर विग्त 48 घंटे से लेटी पायी गयी। रोगी से जानकारी प्राप्त हुयी कि ब्लड चढाने को चिकित्सक ने बताया है एवं नियमानुसार ब्लड़ एटैन्डन्ट के डोनेट करने के उपरांत ही रोगी को ब्लड़ चढाया जाना संभव है। ओ0टी के बाहर दूसरी मरीज प्रसव होने की प्रतिक्षा में लेटी पायी गयी। मरीज से टीम द्वारा पूछने पर बताया गया कि वो ठंड के कारण अपने घर से रजाई/कंबल	टीम द्वारा वहां तैनात चिकित्सक से पूछने पर ज्ञात हुआ कि ऐसे मरीजो को regular monitoring हेतु वहां लिटाया गया है। टीम द्वारा वहां तैनात चिकित्सक की सहायता से इस प्रकार के मरीजो को लिटाने हेतु वैक्लपिक व्यवस्था करायी गयी एवं तत्काल चिकित्सालय के कंबल आदि उपलब्ध कराये गये।	ओ0टी0 में तैनात चिकित्सक

लायी है और चिकित्सालय से नही मिला। वार्ड में रोगियों से हुयी वार्ता के क्रम में ज्ञात हुआ कि उनको 108/102 की जानकारी है किन्तु वो वहां पर अपने साधन से आयी है।		
<u>प्रशिक्षण</u> – चिकित्सालय में चिकित्सक एवं स्टाफ नर्स को SBA/BEmOC, PPIUCD आदि प्रशिक्षण की आवश्यकता है। स्वच्छता प्रशिक्षण नही किया गया, उक्त का बजट नही प्राप्त हुआ।	महत्वूर्ण प्रशिक्षण तत्काल कराये जाने हेतु अग्रेत्तर कार्यवाही का सुझाव दिया गया। जिला कार्यक्रम प्रबंधक के सहयाग से मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा तत्काल बजट उपलब्ध कराने को कहा गया।	महाप्रबंधक प्रशिक्षण/ मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका /जिला कार्यक्रम प्रबंधक
<u>बाल स्वास्थ्य</u> – सिक न्यूबार्न केयर यूनिट (SNCU) क्रियाशील पायी गयी एवं यूनिट में 12 रेडियन्ट वार्मर उपलब्ध थे जिसमे 10 में न्यूबार्न बेबी एडमिटिड थे। यूनिट की साफ सफाई अच्छी थी लेकिन इमरजेन्सी ट्रे में लेबल करने की आवश्यकता है।	मुख्य चिकित्साका अधीक्षिका से शार्ट एक्सापायरी मेडिसन का मासिक रिकार्ड रखा जाने आग्रह किया गयाएवं स्टाफ नर्स से इमरजेन्सी ट्रे मानकानुसार लगवायी गयी।	चिकित्सालय में तैनात बाल रोग विशेषज्ञ
<u>C.P</u> - रोगी कल्याण समिति की शासी निकाय एवं कार्यकारी समिति की बैठकें नियमित अन्तराल पर आयोजित नहीं की गयी हैं।	बैठकों का आयोजन नियमानुसार नियमित किये जाने एवं कार्यवाही का विवरण निर्धारित प्रारुप में अंकित किये जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका
<u>आ0ई0ई0सी0</u> – आ0ई0ई0सी0 के तहत ए.एन.सी./पी.एन.सी. वार्डों में दीवाल लेखन नहीं कराया गया था और एफ.बी.एन.सी. एवं जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के प्रोटोकाल पोस्टर या तो उपलब्ध नहीं थे अथवा यथा स्थान नही पाये गये। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित संदेश/सूचनाओं का लेखन पाया गया।		क्वालिटी मैनेजर
<u>प्रशासनिक</u> – • मुख्य चिकित्सका अधिक्षिका के कमरे के बाहर सुझाव पेटिका एवं शिकायत पेटिका उपलब्ध थी लेकिन उसका कोई अभिलेख उपलब्ध नही था। • स्वास्थ्य इकाई में ड्रग लिस्ट डिस्पले टी0बी0 के माध्यम से थी किन्तु बंद पाया गया चलवाने पर मात्र 02 दवाओं ही आती थी जिसे सही कराने की आवश्यकता है। औषधी वितरण केन्द्र में औषधियों को लेबलिंग नही पायी गयी। • चिकित्सालय का गेट ही नही है और न ही मानकानुसार गेट पर चिकित्सा इकाई का नाम है।	अभिलेख बनावाये गयें एवं उनको अद्यतन करने के निर्देश दिये गये। ड्रग लिस्ट डिस्पले टी0बी0 को सही कराने के निर्देश दिये गये। टीम द्वारा लेबलिंग का तरीका बताया गया एवं औषधियों के भण्डाराण एवं वितरण के मानक से परिचित कराया गया। गेट पर नाम लिखवाने, साकेतक आदि करवाने हेतु टीम द्वारा कहा गया कि	मुख्य चिकित्सका अधिक्षिका/क्वालिटी मैनेजर

मानकानुसार दीवाल लेखन नही कराया गया है। साकेतकों को लगवाने की आवश्यकता है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका द्वारा बताया गया कि उक्त हेतु पैसा नही है। • चिकित्सालय में वाहन स्टैण्ड हेतु कोई नही है। चिकित्सालय में यहां वहां गाडियां खडी पायी गयी। • लेबर रूम में बेहद गंदगी पायी गयी। वहां तैनात चिकित्साक कक्ष भी बेहद गंदा पाया गया। चिकित्सक द्वारा जानकारी प्राप्त हुयी की वहां तैनात दो सफाई कर्मचारी किसी की नही सुनते और न ही कार्य नियमित करते है। श्रीमती चुन्की, सफाई कर्मचारी से टीम द्वारा अपने समक्ष पोछा लगाने को कहा गया तथा यह पाया कि उसे मानकानुसार जानकारी तक नही है। • पर्चे बनवाने हेतु मरीज को लाइन में लगवाने की आवश्यकता है। समस्त मरीज धक्का मुक्की करते पाये गये। • चिकित्सालय का शौचालय में यूरिनल एवं सीस्टन का पाइप टूटा मिला	आर0के0एस0 की धनराशि से यथाशीध्र करवाना सुनिश्चित करें। अधीक्षिका से उक्त हेतु एक गार्ड तैनात करने का आग्रह किया गया ताकि वो वाहनों को सही से लगा सके और आपालकालीन रोगियों को चिकित्सालय में आने जाने में समस्या का सामना न करने पडें। टीम द्वारा मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका से दोनो सफाई कर्मचारी के विरूद्व कार्यवाही करने को कहा गया। क्वालिटी मैनेजर से टीम द्वारा कहने पर श्रीमती चुन्की को पोछा लगाने का सही तरीका समझाया गया। 	
• **<u>क्वालिटी</u>** – चिकित्सालय में Colour Codded Bins न तो पाये गये और न ही स्टाफ नर्सों/कर्मचारियों को उसके प्रयोग की जानकारी नही थी। जबकि उनके समक्ष विवरण सहित चार्ट दीवार में लगा पाया गया। Injection Room में Gloves तक नही पाये गये।		क्वालिटी मैनेजर
<u>फैमिली प्लानिंग</u> – फैमिली प्लानिंग काउन्सलर द्वारा वार्ड में जाकर काउन्सलिंग की जा रही है एवं उसका प्रभाव लाभार्थियों पर हो रहा है। काउन्सलर को कार्यक्रम की अधिक जानकारी हेतु एक ट्रेनिंग की आवश्यकता है।	टीम द्वारा काउन्सलर की जानकारी प्रदान की गयी एवं प्रशिक्षण लेने हेतु सलाह दी गयी।	महाप्रबंधक प्रशिक्षण एवं परिवार नियोजन
<u>आर0के0एस0के0</u> – अर्श क्लीनिक संचालित मिला। भ्रमण के समय किशोरियां को परामर्श देती परामर्शदाता मिली। अर्श क्लीनिक में कम्प्यूटर खराब पाया गया। दवाएं नही है। माह नवम्बर में पंजीकरण 414, क्वीनिक सर्विस – 183, परामर्श – 433, रेफेर – 132 एवं फोलोअप – 19 किशोर/किशोरियों का किया गया है। श्रीमती वंदना तिवारी, अर्श परामर्शदाता द्वारा उक्त आवश्यक सामग्रियों हेतु दिनांक 4.3.16 का प्रार्थना पत्र की प्रति भी टीम को उपलब्ध करायी।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका द्वारा बताया गया किय उक्त हेतु धनराशि नही है। उक्त धनराशि जिला कार्यक्रम प्रबंधक के माध्यम से मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका 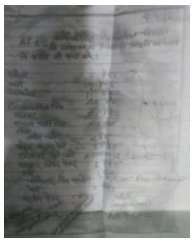

वित्त –

BUDGET DETAIL OF DWH, BANDA

मद	धनराशि	भुगतान की स्थिति
➢ Fire Safety	35000	प्रक्रियाधीन
➢ Registration (Haemo)	2000	भुगतान पूर्ण
➢ Registration (Biochemical)	2000	भुगतान पूर्ण
➢ Calibration of Equipment	50000	भुगतान लम्बित
➢ Pest Control	60000	ऑडर दिया गया। प्रक्रियाधीन
➢ Cat He Trap	125000	भुगतान लम्बित
➢ NQAS Gap	20000	बजट की आवश्यकता नही
➢ Operational Cost	12000	धनराशि अभी प्राप्त हुई
➢ Q.A. Gap Closure	12000	धनराशि अभी प्राप्त हुई
➢ P.S.S. & Complaint Box	12000	धनराशि अभी प्राप्त हुई। प्रक्रियाधीन।
➢ Miscellaneous	100000	धनराशि अभी प्राप्त हुई। कोई प्लान नही बनाया गया।
कुल धनराशि	**430000**	

➢ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नरैनी (नान एफ.आर.यू.)

अनुभाग	टीम द्वारा कृत्य कार्यवाही	दायित्व
मानव संसाधन – सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नरैनी में चिकित्सा प्रभारी डॉ0 बी0एस0 राजपूत है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 03 मेडिकल आफिसर, 07 स्टाफ नर्स एवं 52 ए0एन0एम0 है।	भ्रमण टीम द्वारा उनको भ्रमण पर आने का उददेश्य बताया गया।	–
UPSACS - सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नरैनी में ICTC (Integrated Counselling & Testing Centre) संचालित है। आई0सी0टी0सी0 सेन्टर पर कार्यरत लैब टैक्नीशियन का 11 माह वेतन लम्बित है। किट्स के विवरण नही पाये गये। लैब टैक्नीशियन को मानकानुसार Gloves/Mask पहनना तक नही ज्ञात पाया गया।	टीम द्वारा डा0 प्रीति पाठक, जे0डी0, यूपीसेक एवं श्री अरविंद, डी0ए0 से सम्पर्क करने का प्रयास किया गया। लैब टैक्नीशियन को Gloves/Mask पहनने के सही तरीके सिखाये गये।	यूपीसेक संयुक्त निदेशक आई0सी0टी0सी0 / पी0पी0टी0सी0टी0
मातृत्व स्वास्थ्य– ● जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों को प्रदान किये जाने वाली रु0 1400/–एवं रू 1000/– की धनराशि का वितरण अद्यतन नहीं था। ● सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, नरैनी में एफ0आर0यू0 हेतु प्रस्तावित है किन्तु विशेषज्ञ चिकित्सकों की अनुप्लब्धता के कारण सीजेरियन प्रसव की व्यवस्था नही हैं। ● रिकार्ड अनुसार प्रसूताएं 24–48 घण्टे स्वास्थ्य इकाई पर रूक कर रहीं हैं। भ्रमण के दौरान भी प्रसूताएं उपस्थित थीं। ● लेबर रुम में कोई भी प्रोटोकाल पोस्टर एवं पर्दे इत्यादि नही लगे है। ● प्रसव के पश्चात लाभार्थियों को जे0एस0वाई0 प्रमाण पत्र नही दिया जा रहा था। ● ओ0टी0 में 7 ट्रे पायी गयी किन्तु मानकानुसर नही थी। ● वार्ड की दशा चिन्ताजनक पायी गयी। वार्ड के अन्दर श्वान घूमता पाया गया। ● **भर्ती मरीजो से पूछने** पर ज्ञात हुआ कि जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को दिये जा रहे है किन्तु भोजन एव नाश्ते का विवरण निर्धारित	प्रसव के उपरान्त यथाशीघ्र लाभार्थी के खाते में पी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से धनराशि अवमुक्त किये जाने का सुझाव दिया गया। जिला कार्यक्रम प्रबन्धक को सुझाव दिया गया कि अस्पताल में सीजेरियन प्रसव की सेवा प्रदान किये जाने हेतु आन काल ब्यवस्था के तहत प्राइवेट/सरकारी डॉक्टरो के पैनल को मुख्य चिकित्सा अधिकारी के माध्यम से अनुबन्ध कर सीजेरियन प्रसव की सेवा सुनिश्चित करायें। निर्धारित प्रारुप में अभिलेख तैयार कराये जाने का सुझाव दिया गया। टीम द्वारा जानवरो के रोक हेतु उचित व्यवस्था करने को कहा गया। गेट पर पाइप बिछाने हेतु निर्देशित किया गया ताकि मवेशी अंदर न आने पाये।	चिकित्सा प्रभारी एवं चिकित्सक

प्रारुप/अभिलेख के रुप में उपलब्ध नहीं था। भर्ती मरीज के पास औषधियों के निरीक्षण पर सरसों के तेल की शीशी पायी गयी।

ई0एम0टी0एस0 –

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, नरैनी में दो 102 एम्बूलेंस संख्या UP 41 AT 4143 एवं UP 41 G 2365 खडी पाई गई। UP 41 G 2365 के चालक एवं ई0एम0टी0 से वार्ता पर ज्ञात हुआ कि उनको एम्बूलेंस में रखी दवाओं के बारे में अधिक जानकारी नहीं है। यद्यपित पाइलट को प्रशिक्षण दिया जा चुका है किन्तु उसको दवाओं के बारे में समुचित जानकारी नही थी। वाहन में शीशा टूटा हुआ मिला एवं ज्ञात हुआ कि वह उसे बनवाने जा रहा है।
- **वार्ड में टीम द्वारा पूछने** पर ज्ञात हुआ कि मरीजो को 102 एम्बूलेन्स की जानकारी है। मरीजों से वार्ता करने पर ज्ञात हुआ कि गांव में आशा तैनात है एवं आशा गांव में आकर मरीजो को 102/108 एवं अन्य की जानकारी देती है।

टीम द्वारा दवाओं को सही करवाया गया एवं उसके प्रयोग हेतु जानकारी प्रदान की गयी।

चिकित्सा प्रभारी एवं ई0एम0टी0

क्वालिटी – सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर Colour Codded Bins उपलब्ध नहीं थे। बायोमेडिकल वेस्ट की व्यवस्था नही पायी गयी, परिसर की दीवार के निकट कूडे का ढेर जमा पाया गया।	–	क्वालिटी मैनेजर
एन0सी0डी0 – एन0सी0डी0 काउन्सलर द्वारा वार्ड में जाकर काउन्सलिंग की जा रही है किन्तु उसमें जानकारी का आभाव पाया गया। काउन्सलर को कार्यक्रम की अधिक जानकारी हेतु एक ट्रेनिंग की आवश्यकता है।	टीम द्वारा काउन्सलर को जानकारी प्रदान की गयी।	महाप्रबंधक एन0सी0डी0
आई0ई0सी0 – आ0ई0ई0सी0 के तहत पी.एन.सी. वार्डों में दीवाल लेखन नहीं कराया गया और एच.बी.एन.सी. प्रोटोकाल पोस्टर भी उपलब्ध नहीं थे। मानकानुसार आई0ई0सी0 लगाने की आवश्यकता है।	जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित संदेश/सूचनाओं का लेखन कराये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा प्रभारी
प्रशासनिक – ● सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सरकारी भवन में संचालित है, भवन का रख–रखाव गंदा पाया गया। ● BMW, VSS, RBSK वाहनों का भुगतान लम्बित पाया गया। ● परिसर में यहां वहां गाड़ियां खडी हुई पायी गयी। ● **दन्त चिकित्सक** तैनात है किन्तु दन्त चेयर पूर्ण कियाशील नही है। उसमें पानी की सप्लाई नही है। ● **एक्स–रे** किया जाता है किन्तु रेडियोलॉजिस्ट द्वारा कोई भी मानकानुसार कार्य नही किया जाता है। वह एक्स रे करते समय न तो जैकेट का प्रयोग करते है और न ही रेडियेशन के प्रभाव का ध्यान रखते है। ● **औषधियों एवं उपकरणों** की कमी पायी गयी। Misoprostol, Oxytocin, JE Vaccine, Rotavirus, Injectable Contraceptive, Room Thermometer, MVA Kit, EVA Kit आदि चिकित्सालय में नही पाये गये।	टीम द्वारा तत्काल भुगतान करने का निर्देश दिया गया। टीम द्वारा किसी व्यक्ति को इस हेतु तैनात करने को कहा गया जो गाड़ियों को पंक्तिबंद तरीके से लगवायें, ताकि मरीजो को असुविधा न हों। दन्त चेयर को ठीक कराने को कहा गया। रेडियोलॉजिस्ट को अपनी एवं अन्य व्यक्तियों की सुरक्षा हेतु मानक के पालन करने के निर्देश दिये गये। टीम को ज्ञात हुआ कि दवाएं प्राप्त नही होती। टीम द्वारा जनपद के सी0एम0एस0डी0 भण्डार का निरीक्षण किया गया।	चिकित्सा प्रभारी

➢ **प्राथमिक विद्यालय पनगरा, नरैनी**

अनुभाग	टीम द्वारा कृत्य कार्यवाही	दायित्व
आर0के0एस0के0– प्राथमिक विद्यालय में आर0बी0एस0के0 टीम द्वारा नियमित निरीक्षण किया जाता है किन्तु अभिलेख अद्यतन करने की आवश्यकता है। कृमि मुक्ति दिवस को विद्यालय में Albendazole की दवाएं खिलाई गयी थी। विद्याार्थियों को नियमित रूप से वजन, लम्बाई आदि नापी जाती है। अभिलेखों में दिनांक 13.10.2016 तक ही पाया गया। आइरन की गोलियां न होने के कारण नही बाटीं जा रही है। विपस कार्ड नही भरे जा रहे है।	भ्रमण टीम द्वारा प्रधानाचार्या एवं शिक्षिकाओं को भ्रमण पर आने का उददे्श्य बताया गया एवं अभिलेख मानकानुसार तैयार करने का तरीका समझाया गया। जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा बताया गया कि विपस कार्ड की प्रिन्ट हो चुकी है किन्तु किसी भी इकाई में विपस कार्ड नही पाया गया। कार्ड के सैम्पल भी मांगने पर उपलब्ध नही कराये गये।	प्रधानाचार्या/ आर0बी0एस0के0 टीम

➢ नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नोनिया मोहाल, छाबी तालाब, बांदा

अनुभाग	टीम द्वारा कृत्य कार्यवाही	दायित्व
एन0यू0एच0एम0– ● नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर डा0 यशसवी श्रीवास्तव, चिकित्सक, 01 फारमेस्सिट, 02 स्टाफ नर्स, एक एल0टी0, तथा सपोर्ट स्टाफ कार्यरत है। स्टाफ नर्स हेतु मेज स्वास्थ्य केन्द्र पर नहीं दी गई थी। भ्रमण के समय चिकित्सक एवं फारमेस्सिट अवकाश पर पाये गये। उपस्थिति पंजिका मे चिकित्सक का हस्ताक्षर भ्रामक पाया गया। ● नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र किराये के भवन में संचालित है। ● पंजीकरण पंजिका उपलब्ध थी एवं दिनांक 21.10.17 से 20.11.17 तक बाह्य रोगी की संख्या 1494 नये एवं 162 पुराने रोगियों का पंजीकरण पाया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में 01 प्रसव कराये गया है। ● विग्त तीन वर्षो से स्वास्थ्य केन्द्र पर डिलीवरी हेतु किट, आवश्यक उपकरण/औषधियां उपलब्ध नहीं है जैसे Baby Trolly, Weight Mechine, Focus Ligth, Radiant Warmer आदि ● प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में लैब थी तथा ब्लड सूगर वीडाल हीमोग्लोबिन की जॉच तथा मलेरिया की स्लाइड बनाई जा रही थी। ● प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर आई0ई0सी0 प्रदर्शित नहीं पाई गई। ● केन्द्र में रंगीन अपशिष्ट निपटान (Colour coded waste disposal bin) उपलब्ध थे। केन्द्र में व्यवस्थित लेबर रूम था। ● औषधियों व्यवस्थित रूप से रखी पाई गई किन्तु उनमें लेवेलिंग नही कि गई थी जिसका सुझाव टीम द्वारा दिया गया।	टीम के सदस्यो द्वारा निर्देशित किया गया कि उपस्थिति पंजिका में चिकित्सक महोदया भ्रामक हस्ताक्षर न करें। नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की सफाई व्यवस्था, रंगाई पुताई, आई.ई.सी., औषधि एवं उपकरण, रिकार्ड की उपलब्धता नोडल एन.यू.एच.एम. के साथ समन्वय स्थापित करते हुये सुनिश्चित की गयी। 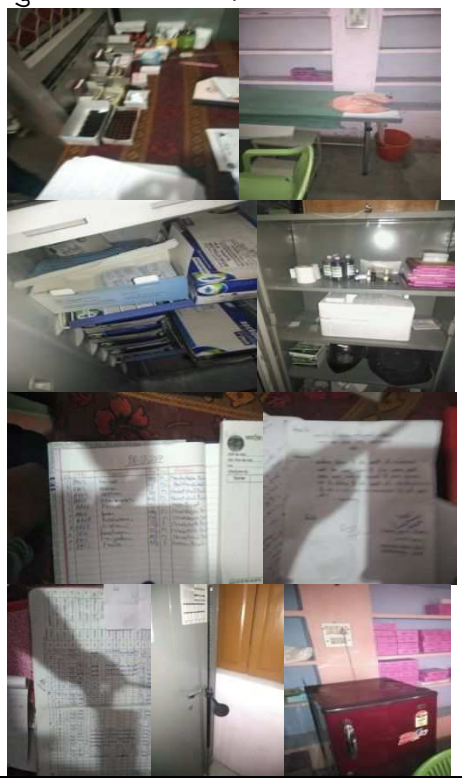	नोडल एन.यू.एच.एम 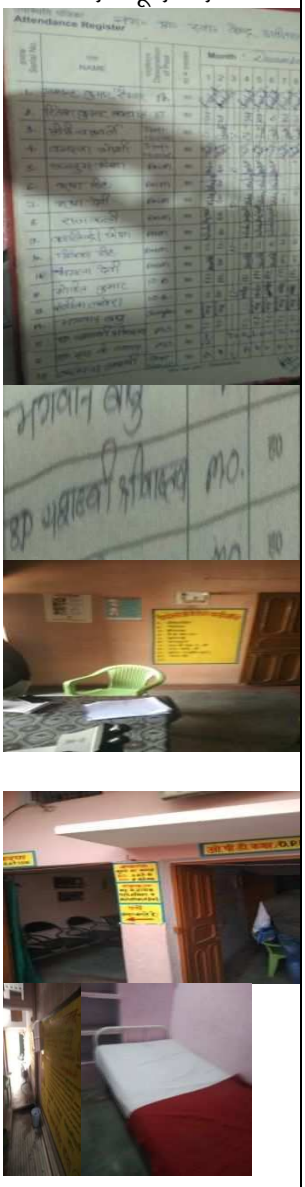

➢ नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आजाद नगर, बांदा

अनुभाग	टीम द्वारा कृत्य कार्यवाही	दायित्व
एन0यू0एच0एम0– ● नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर 01 चिकित्सक, 01 फारमेस्सिट, 01 स्टाफ नर्स, एक एल0टी0, तथा सपोर्ट स्टाफ कार्यरत है। ● स्टाफ नर्स हेतु मेज स्वास्थ्य केन्द्र पर नहीं दी गई थी एवं उसकी तैनाती 02 माह पूर्व से हुयी है। स्टाफ नर्स एस0बी0ए0 प्रशिक्षित है किन्तु एस0बी0ए0 प्रोटोकॉल नही पाया गया। ● नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र किराये के भवन में संचालित है। ● पंजीकरण पंजिका उपलब्ध थी। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में अप्रैल से भ्रमण दिनांक तक मात्र 01 प्रसव कराया गया है। चिकित्सक द्वारा बताया गया कि चूकि स्टाफ नर्स मात्र 02 माह पूर्व तैनात की गयी है इसकारण प्रसव कराना संभव नही था। ● प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में लैब थी तथा ब्लड सूगर वीडाल हीमोग्लोबिन की जॉच तथा मलेरिया की जॉच हेतु माइक्रोस्कोप का लैन्स खराब पडा हुआ पाया गया। ● प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर आई0ई0सी0 प्रदर्शित नहीं पाई गई। ● केन्द्र में रंगीन अपशिष्ट निपटान (Colour coded waste disposal bin) उपलब्ध नही थे। केन्द्र में व्यवस्थित लेबर रूम था। ● औषधियों व्यवस्थित रूप से नही रखी पाई गई एवं उनमें लेवेलिंग नही कि गई थी जिसका सुझाव टीम द्वारा दिया गया।	टीम के सदस्यो द्वारा निर्देशित किया गया कि उपस्थिति पंजिका में चिकित्सक महोदया भ्रामक हस्ताक्षर न करें। नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की सफाई व्यवस्था, रंगाई पुताई, आई.ई.सी., औषधि एवं उपकरण, रिकार्ड की उपलब्धता नोडल एन.यू.एच.एम. के साथ समन्वय स्थापित करते हुये सुनिश्चित की गयी। 	नोडल एन.यू.एच.एम 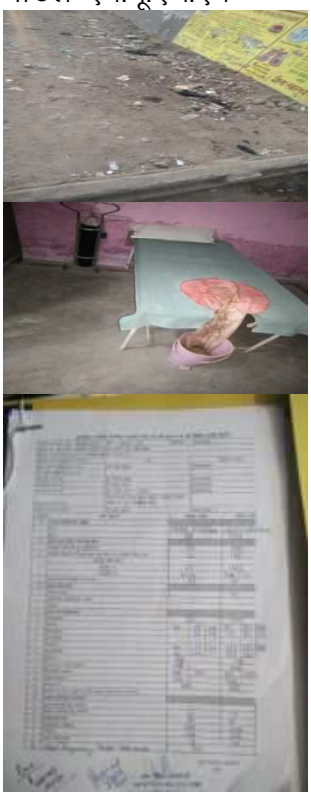

➢ जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई, बांदा

अनुभाग	टीम द्वारा कृत्य कार्यवाही	दायित्व
टीम के सदस्यों द्वारा जिला कार्यक्रम प्रबंधक को सूचित करने के उपरांत भी जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई का कोई भी कर्मचारी/अधिकारी ससमय उपलब्ध नही मिला, जो अत्यंत खेदजनक है। टीम के सदस्यों का मार्गदर्शन हेतु जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई का कोई भी सदस्य नही मिला एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई बंद मिला।	जिला कार्यक्रम प्रबंधक से हुयी वार्ता के क्रम में ज्ञात हुआ कि दिनांक 28.12.17 को जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में व्यस्त्ता के कारण अन्य का सहयोग देना संभव नही हो पाया। अन्य गन्तव्य में जिला कार्यक्रम प्रबंधक स्वयं से उपस्थित रहें।	जिला कार्यक्रम प्रबंधक

➢ उपकेन्द्र पनगरा, बांदा–

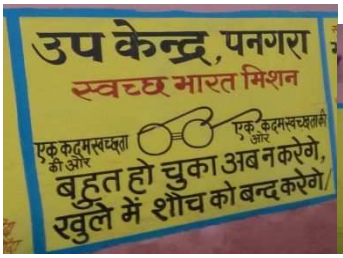

अनुभाग	टीम द्वारा कृत्य कार्यवाही	दायित्व
टीम द्वारा जनपद पर भ्रमण की समस्त सूचनाएं होने के उपरांत भी उपकेन्द्र बंद मिला। वहां ज्ञात हुआ कि श्रीमती माला घूरीया, ए0एन0एम0 तैनात है।	जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा उक्त के कारण का कोई भी स्पष्ट उत्तर नही उपलब्ध नही कराया गया।	जिला कार्यक्रम प्रबंधक/प्रभारी चिकित्साधिकारी

➢ **सी0एम0एस0डी0 भण्डार केन्द्र, बांदा–**

अनुभाग	टीम द्वारा कृत्य कार्यवाही	दायित्व
टीम के सदस्यों को सम्पूर्ण जनपद में जब प्रत्येक इकाई में औषधियों की कमी पायी गयी तो सी0एम0एस0डी0 भण्डार जाने का निर्णय लिया गया। वहां तैनात फामेसिस्ट से ज्ञात हुआ कि विग्त कई माह से फर्मो का भुगतान लम्बित होने के कारण फर्म दवाएं नही उपलब्ध करा रहे है। टीम द्वारा अभिलेखों से ज्ञात हुआ कि 26 EDL (Essential Drug List) में 14 अनुपलब्ध है। फार्मेसिस्ट से जानकारी प्राप्त हुयी कि दवाओ के कय हेतु आदेश दिया जा चुका है और अन्य दवाएं शीध्र ही उपलब्ध हो जायेगी।	भण्डारण से प्राप्त आवंटित औषधियों/उपकरणों/अन्य सामग्री की पुष्टि स्वास्थ्य इकाई में उपलब्धता के आधार पर क्रास चेकिंग कर पुष्टि की गयी। जिला कार्यक्रम प्रबंधक से अन्य इकाई में भी पुष्टि सुनिश्चित करने को कहा गया।	जिला कार्यक्रम प्रबंधक

➢ **प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र महुवा, बांदा–**

भ्रमण आख्या	अपेक्षित कार्यवाही	दायित्व
मातृत्व स्वास्थ्य– ● लेबर रुम में मेडिसिन ट्रे एवं आवश्यक औषधियां उपलब्ध नहीं हैं। ● बायोमेडिकल वेस्ट प्रोटोकाल, प्रसव टेवल पर मैट्रस, लेवर रुप में एल्वो टैब उपलब्ध नहीं है। ● प्रसव कक्ष अत्यन्त गंदा है एवं छत पर जाले एव पंखों पर भारी धूल जमी है। **वित्त–** ● जे.एस.वाई. के तहत 15–20 प्रतिशत लाभार्थियों का भुगतान लंम्बित है। ● उपकेन्द्रों को अनटाइड फण्ड एवं वी.एच.एस.एन.सी. फण्ड पिछले माह भेजा गया है जिसके कारण किसी भी उपकेन्द्र पर कोई व्यय नहीं किया गया है। ● कुछ पल्स पोलियो अभियान के भुगतान लम्बित है। ● एच.आर.पी. ट्रेकिंग हेतु कोई भुगतान नहीं किया गया है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी/स्टाफ नर्स को मानकानुसार अग्रेत्तर कार्यवाही करायी गयी एवं सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। 	प्रभारी चिकित्साधिकारी /स्टाफ नर्स जिला कार्यक्रम प्रबंधक/ जिला लेखा प्रबंधक

• एच.बी.एन.सी. प्रशिक्षण के प्रथम बैच का भुगतान आशाओं को नहीं किया गया है। • माह जुलाई से जे0एस0वाई0 के अन्तर्गत आशा को भुगतान नहीं किया गया है। • एडिसनलिटी मद में आशाओं को कोई भुगतान नहीं किया गया है। • पी.एच.सी. बहेरी पर प्रसव कराने के उपरान्त आशाओं को पेमेण्ट स्लीप प्रदान किये जाने पर श्री फूलचन्द द्वारा रु0 20/ प्रति केस वसूली की जा रही है। • नवनियुक्त 10 आशाओं के ड्रेस का भुगतान नहीं किया गया है। • एक्रीडिटेड उपकेन्द्र पनग्रह, पैगम्बरपुर एवं बड़ोखर बुजुर्ग पर हुए प्रसव के लाभार्थियों के 30–40 भुगतान लम्बित हैं। • पैगम्बरपुर उपकेन्द्र के 15 जे.एस.वाई लाभार्थियों के भुगतान लम्बित है। • पिछले वित्तीय वर्ष के नशबंन्दी लाभार्थियों एवं प्ररेक का भुगतान नहीं किया गया है। **क्वालिटी–** • बायोमेडिकल सेवा प्रदाता द्वारा 3 कलर बकेट एवं अन्य कन्ज्यूमेबल उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है तथा बायोमेडिकल वेस्ट का निस्तारण हेतु वाहन अनियमित रुप (15–20 दिन) से किया जा रहा है। • वार्ड में डी.वी.डी. खराब होने के कारण एल.सी.डी. क्रियाशील नहीं है।		

➢ **प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मटौधां, बांदा–**

भ्रमण आख्या	अपेक्षित कार्यवाही	दायित्व
• चिकित्सालय की ओ0पी0डी0 निकवर्ती नवीन पी0एच0सी0 में संचालित पायी गयी। स्वास्थ्य इकाई में बाउडरी नही है। परिसर के बाहर बेहद गंदगी एवं जल भराव पाया गया। • चिकित्सा इकाई की इमारत में कई स्थानों में दरार पायी गयी। इमारत में सुढडीकरण का कार्य सम्पदित किया जा रहा है। • रीनोवेशन का कार्य चल रहा था जिससे कारण ईकाई गंदी थी एवं समान अव्यवस्थित थी।	स्वास्थ्य इकाई में तैनात दो सफाई कर्मी के सहयोग से सफाई करायी गयी। टीम के सदस्यों द्वारा सुझाव दिया गया कि सुढडीकरण के साथ इमारत की दरारों को	जिला कार्यकम प्रबंधक/चिकित्सा प्रभारी

मातृत्व स्वास्थ्य–

- प्रसव कक्ष अत्यन्त गंदा है एवं छत पर जाले एव पंखों पर भारी धूल जमी है।
- लेबर रुम में मेडिसिन ट्रे एवं आवश्यक औषधियां उपलब्ध नहीं हैं।
- बायोमेडिकल वेस्ट प्रोटोकाल, प्रसव टेवल पर मैट्रस, लेवर रुप में एल्वो टैब उपलब्ध नहीं है।
- बी.एच.टी. नहीं भरी जा रही है।
- रेफरल रिकार्ड रजिस्टर नहीं बनाया गया है।

आर0बी0एस0के0–राजकीय इन्टर कालेज मटौध में आर.बी.एस.के. टीम के सभी सदस्य उपस्थित थे। आर.बी.एस.के. कार्ड उपलब्ध न होने कारण नहीं भरा जा रहा था। टीम बिना माईक्रोप्लान के विजिट कर रही है। टीम के पास विजन चार्ट, वजन मशीन (टीम द्वारा स्वयं क्रय कर उपयोगित की जा रही है) ब्लाक द्वारा उपलब्ध नहीं कराया गया था। आई.एफ. ए. की गोली कालेज में उपलब्ध नहीं करायी गयी है।

टीकाकरण–मटौध अरबन एरिया में टीकाकरण के दौरान ए.एन.एम. रानी उपस्थित थी। भ्रमण के समय (10.00 बजे) किसी लाभार्थी का टीकाकरण नहीं किया गया था। वी.एच.एन.डी. के दौरान सभी आवश्यक सामग्री उपलब्ध थी।

भी ठीक किया जाना सुनिश्चित करें।

लेबर रूम में आवश्यक उपकरण एवं औषधियां उपलब्ध कराने हेतु चिकित्सा प्रभारी/जिला कार्यक्रम प्रबंधक को निर्देशित किया गया।
अभिलेखों को मानकानुसार तैयार करना बताया गया।

जिला कार्यक्रम प्रबंधक से तत्काल कार्ड एवं अन्य आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराना सुनिश्चित करने को कहा गया।

नोडल आर0बी0एस0के0

➢ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तिन्दवारी, बांदा–

आख्या	अपेक्षित कार्यवाही	दायित्व
प्रशासनिक ● चिकित्सालय में बेहद गंदगी पायी गयी एवं गेट पर मानकानुसार नाम नही लिखा हुआ पाया गया। **मातृत्व स्वास्थ्य** ● जे.एस.वाई के तहत 2536 के सापेक्ष 2321 का ही भुगतान किया गया था। ● माह जुलाई में 45, अगस्त में 30, अक्टूबर 30 आशाओं का भुगतान लम्बित है। ● बायोमेडिकल वेस्ट प्रोटोकाल, प्रसव टेवल पर मैट्रस, लेवर रुप में एल्वो टैब उपलब्ध नहीं है। ● प्रसव कक्ष अत्यन्त गंदा है। ● लेबर रुम में मेडिसिन ट्रे एवं आवश्यक औषधियां उपलब्ध नहीं हैं।	चिकित्सा प्रभारी/स्टाफ नर्स एवं ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक को आवश्यक सामग्री उपलब्ध/प्रयोग करने का मानकानुसार तरीका समझाया गया। 	चिकित्सा प्रभारी/जिला लेखा प्रबंधक/ब्लाक लेखा प्रबंधक
आर.बी.एस.के. ● आर.बी.एस.के. टीम का एक सदस्य डा0 पंकज सिंह फील्ड में न जाकर प्रत्येक दिन ओपीडी करते है। टीम का माईक्रोप्लान मांगने पर उपलब्ध कराया गया। टीम के सदस्यों की फील्ड भ्रमण के ट्रेकिंग हेतु डा0 सुनीता से फोन पर वार्ता करने पर पता चला कि वे बिना सूचना के अवकाश पर है एवं अन्य सदस्यों द्वारा फोन नहीं रिसीव किया गया। परिस्थतियों के दृष्टिगत ऐसा प्रतीत हुआ कि उक्त दिवस में टीम द्वारा फील्ड में भ्रमण नहीं किया गया। ● आर.बी.एस.के वाहन का अनुबंध रु0 23800/ प्रति वाहन प्रति माह किया गया है लेकिन भुगतान सर्विस टैक्स सहित रु0 27370/ किया जा रहा है। जिसका उल्लेख अनुबंध में नहीं किया गया है। पिछले वित्तीय वर्ष अनुबंधित वाहन का उपयोग वर्तमान वित्तीय वर्ष किया जा रहा है जिसका अनुबंध नवीनीकरण, दरों में संशोधन पर डी.एच.एस. का अनुमोदन प्राप्त नहीं है।	टीम के सदस्यों द्वारा डा0 पंकज को आर0बी0एस0के0 टीम के साथ जाने को कहा गया। राज्य स्तर पर भी जनपद बांदा में अनुबंधित 10 वाहनों के विवरण न उपलब्ध कराने के कारण धनराशि रोकी गयी है। टीम के सदस्यों द्वारा जिला कार्यक्रम प्रबंधन	नोडल आर0बी0एस0के0

एम0एण्ड0ई0 – सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के अन्तर्गत चिकित्सा प्रभारी का वाहन न तो उपलब्ध पाया गया एवं न ही उसका विवरण टीम के मांगने पर भी उपलब्ध कराया गया। वित्तीय वर्ष 2016–17 में भारत सरकार द्वारा उपलब्ध करायी गयी नवीन सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की चेकलिस्ट की जानकारी तक जनपद में किसी भी अधिकारी/कर्मचारी को नही है।	इकाई एवं चिकित्सा इकाईयों में नवीन सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की चेकलिस्ट उपलब्ध करायी गयी एवं उसकी जानकारी प्रदान की गयी।	मुख्य चिकित्साधिकारी/ जिला कार्यक्र प्रबंधक

(परमहंस कुशवाहा)
पी0सी0,
आर.बी.एस.के

सौरभ तिवारी)
परामर्शदाता,
एम0एण्ड0ई0.

(आर.एस. चौरसिया)
परामर्शदाता,
क्यू.ए.